(c) The Government have not taken any decision so far about availing of Canadian assistance for the Stage-II of Chamera H.E. Project.

कृषि हेतु दी जाने वाली बिजली के लिये अधिक शुल्क लिया जाना

@1863. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 10 नवम्बर, 1991 के इंडियन एक्सप्रेस में "एग्रीकल्चर सेक्टर-मिनिमम टैरिफ और इलैक्ट्रिसिटी प्रपोज्ड" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; यदि हां, तो क्या यह सच है कि सरकार ने कृषि क्षेत्र को दी जाने वाली बिजली की राज सहायता प्राप्त दरों को बढ़ाने का निर्णय किया है;

(ख) क्या इस निर्णय के परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन की लागत में वृद्धि हो जाने की सम्भावना है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

विद्युत और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) सितम्बर, 1991 में आयोजित विद्युत मंत्रियों के सम्मेलन में हुई आम सहमति के अनुपालन में, हाल ही में राज्यों को 50 पैसे/कि०वा० घं० को न्यूनतम कृषि विद्युत टैरिफ के निर्धारण के लिए अनुरोध किया गया है।

(ख) और (ग) विभिन्न फसलों/राज्यों के लिए उत्पादन की कुल लागत पर प्रस्तावित वृद्धि का नाम-मात्र प्रभाव पड़ेगा।

@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 1486, 6 दिसम्बर, 1991 से स्थानांतरित।

देश में बिजली का भारी संकट

1864. **श्री अजीत जोगी :** क्या विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश बिजली के भारी संकट का सामना कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक राज्य की मांग को पूरा करने हेतु बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाये जाने का विचार है;

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है;

(घ) देश में बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए क्या कोई दीर्घकालिक नीति बनाने का विचार है;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(च) विद्युत उत्पादन को प्रभावित करने वाले पर्यावरण सम्बन्धी कारणों को देखते हुए क्या कोई नई सकारात्मक पर्यावरणीय नीति बनाये जाने की सम्भावना है ?

विद्युत और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पाथ राय) : (क) अप्रैल, 91–अक्तूबर, 91 की अवधि के दौरान देश में लगभग 8% ऊर्जा की कमी थी।

(ख) देश में विद्युत उत्पादन में सुधार लाने हेतु किए जा रहे विभिन्न उपायों में ये शामिल हैं :– पुराने यूनिटों के नवीकरन एवं आधुनिकीकरण संबंधी कार्य करना, संयंत्र सुधार कार्यक्रमों को हाथ में लेने के लिए बिजली बोर्डों की सहायता करना, अपेक्षित मात्रा और गुणवत्ता वाला कोयला सप्लाई करना, प्रचालन और अनुरक्षण कार्मिकों को प्रशिक्षण देना और पारेषण और वितरण प्रणालियों को सशक्त बनाना।